बूंदी के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स/पुलिस परेड ग्राउंड में सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन और बूंदी निर्वाचन क्षेत्र खेल महोत्सव के फाइनल के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

.....

बूंदी के इस खेल संकुल में सिंथेटिक ट्रेक के लोकार्पण और बूंदी विधान सभा स्तरीय खेल महोत्सव के पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित माननीय विधायक श्री अशोक डोगरा जी,

बूंदी भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री छीतरलाल राणा जी,

सभी का हार्दिक स्वागत है।

....

आज बूंदी के लोगों विशेषकर खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है , जब उन्हें सात करोड़ की लागत से बने इस अन्तरराष्ट्रीय स्तर के एथलेटिक्स ट्रैक की सौगात मिलने जा रही है। मैं आप सभी को इसकी बधाई देता हूं।

आज इसी कार्यक्रम में हम बूंदी विधानसभा क्षेत्र के खेल महोत्सव के विजेताओं और उप विजेताओं को भी सम्मानित करने वाले हैं। मैं इस उपलब्धि के लिए उन्हें भी हार्दिक बधाई देता हूं।

आज आप लोगों से कुछ भी कहने से पहले मुझे 12 दिसंबर, 2022 को वह दिन याद आ रहा है, जब हमने इसी खेल संकुल में होने वाले कार्यों का शिलान्यास किया था। हमने इस खेल संकुल में सिंथैटिक ट्रैक, वाकिंग ट्रैक, स्विमिंग पूल और इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की नींव रखी थी। तब मैंने बूंदी के खिलाड़ियों से कहा था कि मैं उन्हें ओलंपिक में एशियाड में स्वर्ण पदक लाने का सपना देख रहा हूं।

मैंने यह भी कहा था कि वह चाहे हमारे खिलाड़ी हों या ऐसी नौकरी की तैयारी करने वाले युवा हों जिनमें फिजिकल टेस्ट पास करने की आवश्यकता होती है, उन सब के लिए सिंथेटिक ट्रैक होना अति आवश्यक हैं। इससे उन्हें तैयारी में सहायता मिलती है। मैं उन्हें भी शुभकामनाएं देता हूं कि उनकी तैयारी के लिए यह ट्रैक की सौगात आज उन्हें मिलने जा रही है।

उससे भी अधिक खुशी इस बात की है कि वैसे तो इसके निर्माण की निर्धारित तिथि मार्च 2024 थी। लेकिन हम निर्धारित तिथि से छह महीने पहले ही पूर्ण गुणवत्ता के साथ इसका निर्माण कार्य पूर्ण करने में सफल रहे हैं। मैं इसके लिए भी आपको शुभकामनाएं देता हूं।

इस खेल संकुल में 72 लाख रूपए की लागत से वॉकिंग ट्रैक का निर्माण भी हो रहा है। आपको यह जानकर खुशी होगी कि यह कार्य भी 90 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। जल्द ही हम उसका भी लोकार्पण करेंगे।

यह कार्य पूरे होने के बाद जहां हमारे खिलाड़ी सिंथेटिक ट्रैक पर दौड़ेंगे वहीं शहर के आमजन और हमारे वरिष्ठजन इस वॉकिंग ट्रेक पर चलकर स्वयं को चुस्त-दुरूस्त रख पाएंगे।

मैं आपको बताना चाहता हूं कि 5 करोड़ की लागत से बन रहे स्विमिंग पूल और 8 करोड़ की लागत से बन रहे मल्टीपरपज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भी लगभग आधा काम हो चुका है। यह स्विमिंग पूल और मल्टीपरपज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी अन्तरराष्ट्रीय स्तर के बन रहे हैं।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आपको हैंड बॉल, नेट बॉल, बास्केट बॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, बॉक्सिंग और टेबल टेनिस खेलने की सुविधा मिलेगी।

यानि समग्र रूप से देखा जाए तो खेल संकुल में विकास कार्य पूरे होने के बाद यहां उन सभी खेलों की सुविधा विकसित हो जाएगी, जो सामान्यतः खेले जाते हैं।

इसके लिए 11 मार्च 2024 की तिथि निर्धारित की है, लेकिन आज यहां मैं आपसे कहना चाहता हूं कि यह कार्य भी हम निर्धारित समय से पहले पूरा करेंगे और आपको खेल संकुल की सौगात समय से पहले मिलेगी।

लेकिन जैसा कि मैंने 12 दिसम्बर को भी कहा था, आज मैं फिर दोहराता हूं कि यह खेल संकुल के विकास का पहला चरण है।

हम इस खेल संकुल को देश के बड़े स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में से एक बनाना चाहते हैं। इतना बड़ा कि जब देश में कहीं भी स्टेडियम की चर्चा हो तो सबसे पहले बूंदी के इस खेल संकुल का नाम आए।

हम चाहते है कि खेल सुविधाओं के साथ दूसरे चरण में यहां स्पोर्ट्स हॉस्टल का भी निर्माण हो ताकि कोटा-बूंदी के साथ प्रदेश भर के खिलाड़ी यहां आएं। उनके यहां रहने की व्यवस्था हो, वे यहीं रहकर पढ़ाई भी करें और अपने खेलों की भी तैयारी करें।

मुझे पिछली बार सॉफ्ट बॉल के मैदान के लिए भी आग्रह प्राप्त हुआ था। हम दूसरे चरण में वे सभी खेल शामिल करने का प्रयास करेंगे जिसकी सुविधा अभी बूंदी में नहीं है।

खेल से इतर भी हमारे जीवन में खेल का विशेष महत्व है। खेलों से हम जीवन के विभिन्न पहलुओं में काम आने वाले गुण जैसे टीम वर्क, आपसी सहयोग और मिलजुल कर काम करने का महत्व सीखते हैं। खेलों से हम अनुशासन और आत्मसंयम सीखते हैं, हममें लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने की भावना जागती है, दृढ़-संकल्प और विश्वास पैदा होता है। साथ ही, नियमों के पालन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी पैदा होती है।

अभी एशियाड चल रहे हैं। हमारे खिलाड़ी हर दिन बहुत सारे मैडल जीत कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व के कारण हो रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को वे सभी सुविधाएं सुनिश्चित कीं जो पहले नहीं मिलती थीं।

उन्होंने हमारे खिलाडियों के लिए राष्ट्रीय खेल नीति फ्रेमवर्क की संकल्पना की, जिसका उद्देश्य खेल अवसंरचना के निर्माण और उन्नयन के लिए आवश्यक निधियां प्रदान करके देश में खेल अवसंरचना की कमियों को दूर करना और उसे मजबूत करना है।

इसके तहत खेल मद में पहले से ज्यादा बजट भी आवंटित हुआ है। जहां वर्ष 2014 में खेल बजट मात्र 864 करोड़ रुपये था, जो इस वर्ष बढ़कर 3,397.32 करोड़ रुपये हो गया है।

इस राष्ट्रीय पहल में सहयोग करने हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण भी राज्य स्तर पर खेल परिसर का निर्माण करने, वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करने, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय खेल अकादमियों को सहायता प्रदान करने जैसे कार्य कर रहा है।

विविध खेलों के हमारे खिलाड़ियों को बेहतरीन स्पोर्ट्स इंफ्रांस्ट्रक्चर मिल रहा है, ट्रेनिंग के उपकरण मिल रहे हैं, अच्छे खेल मैदान और कोच मिल रहे हैं। यहां तक कि उनकी विदेश में भी ट्रेनिंग करवाई जा रही है।

इसी वजह से राजस्थान की बेटी घुड़सवारी में 40 साल बाद स्वर्ण पदक ला सकी है। इसी वजह से हमारे यहां का बेटा शूटिंग में गोल्ड मैडल ला सका है।

हम वर्तमान में चल रहे एशियाड में भारतीय खिलाडियों से और पदक लाने की उम्मीद कर रहे हैं और वे अपने देश के लिए और पदक जीतेंगे, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

हम यह चाहते हैं कि एक दिन गर्व से हम कहें कि हमारा बूंदी का बेटी-बेटा भी एशियाड में और ओलंपिक में पदक लाए। वे भी खेलों में आगे बढ़े। इसीलिए हम खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के भी सारे प्रयास कर रहे हैं। इन्हीं प्रयासों में से एक कोटा-बूंदी खेल महोत्सव भी है।

हम चाहते हैं कि गांव-ढाणी में खेल प्रतिभाओं को तलाश कर आगे लाएं फिर उन्हें खेल संकुल जैसी जगहों पर प्रशिक्षित होने का अवसर मिले। इससे हम खेल जगत में ऐसे खिलाड़ी तैयार कर सकेंगे जो कोटा-बूंदी, राजस्थान और देश का नाम रोशन करेंगे।

कोटा-बूंदी खेल महोत्सव में हमने देखा कि खिलाड़ियों ने बहुत मेहनत की। उन्होंने पहले पंचायत स्तर और मंडल स्तर पर मुकाबले जीते और फिर विधान सभा स्तर पर अपनी प्रतिभा को दिखाया। मैं उन सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

बूंदी मेरे दिल में बसता है। आप सभी लोग मेरे लिए मेरा परिवार हैं। मेरा प्रयास रहता है कि आपकी जो भी आशाएं और आकांक्षाएं हों, उनको पूरा किया जाए। इसलिए जब भी कोई प्रोजेक्ट आता है तो मेरी कोशिश रहती है कि उसमें बूंदी को अवश्य शामिल किया जाए।

बूंदी पर्यटन नगरी के रूप में विश्व विख्यात है। यहां पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां की अर्थव्यवस्था में भी पर्यटन का अहम योगदान है। हमने कोशिश की कि यहां और भी कई आकर्षण विकसित किए जाएं जिससे यहां की ख्याति और बढ़े। इसके लिए रामगढ़ विषधारी वन अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व घोषित करवाया और वहां अब सफारी भी प्रारंभ हो चुकी है।

केशवरायपाटन मंदिर के पुनर्विकास के लिए भी 90 करोड़ रूपए का प्रोजेक्ट बनाया गया है। बूंदी के किले पर फसाड लाइट्स लगाने और यहां के नवल सागर में लाइट एंड साउंड शो प्रारंभ करने के कार्यादेश हो चुके हैं। जल्द ही यह कार्य भी पूरी हो जाएगा।

फसाड लाइट लगाने के बाद तारागढ़ किले का जो वैभव निखर के आएगा उसे रात में देखने के लिए आसपास के कई जिलों से लोग आएंगे। इसी तरह यह लाइट एंड साउण्ड शो भी बूंदी और राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी।

जहां तक खेलों के विकास का प्रश्न हैं, स्थानीय स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर खेल अवसंरचना के विकास से भारत में खेलों को बढ़ावा मिलेगा। राजस्थान ही नहीं, देश के अन्य भागों से भी खिलाड़ी आगे आएंगे, उन्हें अपने खेल को निखारने में सहायता मिलेगी जिससे राज्य और देश का नाम रौशन होगा।

हमारे छोटे शहरों और गांवों में ऐसे अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्हें समुचित अवसर नहीं मिला है।

जब देश के हर शहर और गाँव में खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हो जाएंगी तब इस क्षेत्र में अनेक प्रतिभाएं सामने आएंगी।

राजस्थान भारत का ऐसा राज्य है जहां ग्रामीण ओलंपिक की शुरूआत 29 अगस्त, 2022 से की गई है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को एवं खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

हम सभी जानते हैं कि कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी धन की कमी या आयु संबंधी प्रतिबंधों के कारण खेल नहीं पाते हैं। लेकिन इस कार्यक्रम के माध्यम से पूरे राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ी किसी भी उम्र में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं।

अपनी बात समाप्त करने से पूर्व मैं एक बार फिर बूंदी के विभिन्न भागों में खेल सुविधाओं का विकास करने के लिए सभी हितधारकों को बधाई देता हूँ। विशेषकर खिलाडियों को उनके बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं देता हूँ।

मैं बूंदी और कोटा में विश्वस्तरीय अवसंरचना का निर्माण कर बूंदी और कोटा को विश्वस्तरीय शहर बनाने में अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन देता हूँ।

मैं आपके भावी सभी कार्यक्रमों व प्रयासों में सफल होने की शुभकामनाएं देता हूँ।

.....